Dr. Savita Rajan

Assistant Professor (Sociology)

Indira Gandhi Govt. PG College

Bangarmau, Unnao

Email : savitarajanlko@gmail.com

Mobile : 9532604979

B.A.I (1st Semester)

Topic : Status in Society

समाज में प्रस्थिति (Status in Society)

प्रत्येक व्यक्ति को समाज में कोई न कोई स्थान प्राप्त होता है जिससे उसकी समाज में पहचान होती है, इसे ही प्रस्थिति कहते हैं।

राल्फ लिण्टन **(Ralph Linton) :** सामाजिक व्यवस्था के अन्तर्गत किसी व्यक्ति को एक समय विशेष में जो स्थान प्राप्त होता है उसी को उस व्यक्ति की प्रस्थिति कहा जाता है।

आगबर्न और निमकॉफ **(Ogburn & Nimkoff) :** प्रस्थिति की सबसे सरल परिभाषा यह है कि प्रस्थिति वह पद है जो समूह में व्यक्ति के स्थान का प्रतिनिधित्व करता है।

प्रस्थिति के प्रकार (Types of Status)

समाज में व्यक्ति को अनेक प्रकार की पस्थितियां मिलती हैं जिनकी प्रकृति अलग–अलग प्रकार की होती हैं। लिण्टन ने सामाजिक प्रस्थिति को दो भागों में बांटा है :–

1. प्रदत्त प्रस्थिति **(Ascribed Status)**
2. अर्जित प्रस्थिति **(Archieved Status)**

प्रदत्त प्रस्थिति :

इन्हें पाने के लिए व्यक्ति को किसी तरह कोई प्रयत्न नहीं करना पड़ता है। इस प्रकार की प्रस्थिति व्यक्ति को जन्म के साथ प्राप्त हो जाती है। ये परिवर्तनशील नहीं होती।

प्रदत्त प्रस्थिति के प्रकार (Types of Asoibe status)

(क) लिंग भेद **(Sex Dichotomy) :** स्त्रियों की तुलना में पुरुषों की प्रस्थिति सदैव उच्च रहती है। स्त्रियां भावुक होती हैं। स्त्रियों के जन्म के बाद ही उनके साथ भेदभाव किया जाता है। जन्म के बाद ही नहीं कई बार भ्रूण हत्या के रूप में उन्हें जन्म लेने ही नहीं दिया जाता है। इसका उदाहरण दिल्ली के गैंगरेप में आप देख सकते हैं।

(ख) आयु भेद **(Age Differences) :** विश्व के सभी समाजों में आयु के आधार पर प्रस्थिति में भेद किया जाता है। प्रत्येक समाज में एक बच्चे और किशोर की जगह एक युवा और वृद्धों को अधिक महत्व दिया जाता है।

(ग) जन्म **(Birth) :** यदि किसी व्यक्ति का जन्म उच्च परिवार में होता है तो उसकी प्रस्थिति भी उच्च होती है।

(घ) शारीरिक विशेषतायें (Physical Abilities) : स्वस्थ सुन्दर शरीर के व्यक्तियों को एक विकलांग अथवा अन्धे व्यक्ति की अपेक्षा अधिक महत्व दिया जाता है।

(ड़) जाति (Caste) : उच्च जाति में जन्म लेने पर व्यक्ति की प्रस्थिति उच्च हो जाती है जबकि निम्न जाति में जन्म लेने पर व्यक्ति की पस्थिति समाज में निम्न हो जाती है।

अर्जित प्रस्थिति : (Achieved Status)

अर्जित प्रस्थितियां वे हैं जिन्हें व्यक्ति अपनी योग्यता व क्षमता से प्राप्त करता है।

(क) शिक्षा **(Education) :** एक अशिक्षित व्यक्ति की तुलना में शिक्षित व्यक्ति की प्रस्थिति उच्च होती है।

(ख) व्यवसाय **(Occupation) :** एक किसान मजदूर की अपेक्षा, डॉक्टर, इंजीनियर, आई.ए.एस. की प्रस्थिति उच्च होती है।

(ग) सम्पत्ति **(Wealth) :** एक गरीब की तुलना में अमीर व्यक्ति की प्रस्थिति उच्च होती है जिन लोगों ने अधिक सम्पत्ति अर्जित की है वे अधिक साहसी, परिश्रमी और योग्य समझे जाते हैं।

(घ) विवाह **(Marriage) :** विवाह भी व्यक्तियों को समाज में प्रस्थितियां प्रदान करता है। एक सुन्दर सम्पन्न व्यक्ति के साथ विवाह समाज में उच्च प्रस्थिति प्रदान करता है।

(ड़) विशेष उपलब्धियां **(Acievements) :** किसी भी क्षेत्र में परिश्रम से अनेक उपलब्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। जैसे– वैज्ञानिक, खिलाड़ी, अभिनेता, साहित्यकार आदि।

प्रस्थिति से सम्बन्धित महत्वपूर्ण अवधारणायें

1. प्रस्थिति प्रतीक **(Status Symbol) :** समाज में कुछ प्रस्थितियों की उनके प्रतीकों और पोशाक के द्वारा पहचाना जाता है। जैसे– वकील, पुलिस, डॉक्टर इत्यादि।
2. ध्रुवीय या युग्म प्रस्थिति **(Polar or Paired Status) :** कुछ प्रस्थितियां जोड़े के रूप में होती है। जैसे– स्त्री–पुरुष, पति पत्नी, डॉक्टर–मरीज, दुकानदार ग्राहक। एक के सन्दर्भ में ही दूसरे की प्रस्थिति को जान सकते हैं।
3. मुख्य प्रस्थिति **(Key Status) :** एक व्यक्ति समाज में बहुत सी प्रस्थितियां प्राप्त करता है किन्तु इनमें से वह किसी एक के द्वारा ही जाना जाता है, जिसे मुख्य प्रस्थिति कहते हैं। जैसे– इंदिरा गांधी को हम भारत की प्रथम प्रधानमंत्री जानते हैं, यही इनकी मुख्य प्रस्थिति है।

4. प्रस्थिति तनाव **(Status Strain) :** एक ही समय में जब दो भिन्न प्रस्थितियां उत्पन्न होती हैं तो यह स्थिति प्रस्थिति तनाव की होती है। जैसे– एक जज व पिता की प्रस्थिति।

5. प्रस्थिति कुण्ठा **(Status Frustation) :** एक व्यक्ति के पास लक्ष्य है किन्तु साधन नहीं है तो महत्वकांक्षाओं और उपलब्धियों के बीच कुण्ठा का जन्म हो जाता है। जैसे – एक गरीब विद्यार्थी डॉक्टर बनना चाहता है किन्तु पढ़ाई के लिए उसके पास पर्याप्त रुपये नहीं है तो व्यक्ति को कुण्ठा हो जाती है।

6. बहुल प्रस्थिति **(Multi Stauts) :** व्यक्ति एक साथ कई प्रस्थितियां धारण करता है जिनके सम्मिलित रूप को बहुल प्रस्थिति कहते हैं। उदाहरण–

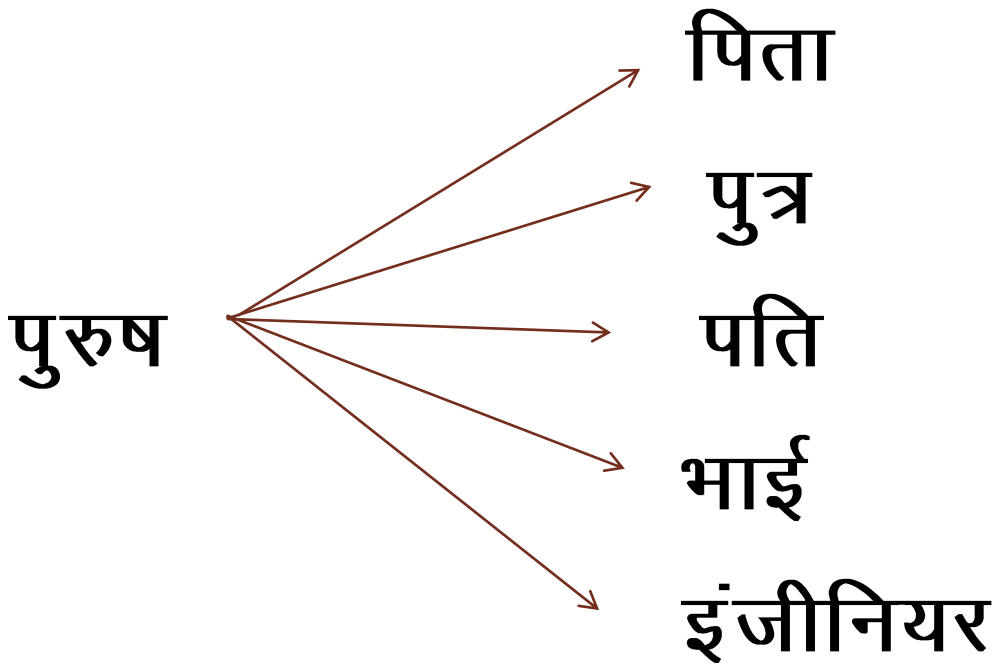
पुरुष
पिता
पुत्र
पति
भाई
इंजीनियर

Thank You